



बागवानी		किन्तु पौधों में सिंचाई बंद कर दें। पौधों में सुखी, रोगग्रस्त शाखाओं तथा गुल्ले (वाटर स्प्राउट्स) को काट दें तथा कांट-छांट के तुरन्त बाद एक से.मी. से मोटी टहनियों पर बोड्रेक्स पेन्ट का लेप करें तथा पूरे वृक्ष पर बोड्रेक्स मिक्सचर 2:2:250 या 200 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 100 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करें। कम्पोस्ट या गोबर की सड़ी खाद + सुपर फॉस्फेट + म्यूरेट ऑफ पोटाश इसी माह के अन्त तक दे सकते हैं।
पशुपालन		<p>पशुओं को नमी वाले क्षेत्र में रखने से बचें, साथ ही उन्हें गर्मी प्रदान करने के लिए जलाई जाने वाली आग के धुएं से बचाएं। नमी और धुएं से उनमें निमोनिया होने की संभावना बढ़ जाती है।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• पशुओं को गुनगुना पानी पीने के लिए देना चाहिए।</li> <li>• दूध देने वाले पशुओं के शरीर का तापमान बनाए रखने के लिए उन्हें खली और गुड़ का मिश्रण खिलाना चाहिए।</li> <li>• चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में नमक मिश्रण भी सुनिश्चित करें।</li> <li>• पशुओं को कृमि मुक्त करने का यह सही समय है।</li> <li>• यदि पशुओं को अभी तक एफएमडी, पीपीआर, हेमोरेजिक सेप्टीसीमिया, एंटरोटॉक्सिमिया, ब्लैक क्वार्टर आदि के खिलाफ टीका नहीं लगाया गया है, तो लगाया जाना सुनिश्चित करें।</li> <li>• पशु शेड में बिस्तर/घास को सूखा रखा जाना चाहिए और हर दिन बदलना चाहिए।</li> <li>• पशुओं में थनेला रोग की रोकथाम के लिए पर्याप्त देखभाल करें।</li> </ul>
मुर्गी पालन		<p>एक अच्छी गुणवत्ता वाला कूड़ा एक समान तापमान बनाए रखने में एक इन्सुलेटर के रूप में कार्य करता है, नमी को भी अवशोषित करता है और सूखे को बढ़ावा देता है। यह मल अवशिष्ट को पतला कर देता है जिससे पक्षियों और खाद के बीच संपर्क कम हो जाता है। यह चूजों को जमीन के ठंडे प्रभाव से भी बचाता है। सर्दियों के दौरान मुर्गी घरों में लगभग 6 इंच कूड़े की आवश्यकता होती है। सर्दी के दौरान कूड़े से पक्षियों को गर्मी मिलती है। यदि कूड़े का प्रबंधन उचित है तो इसे हाथ में लेने पर काफी गर्म महसूस होगा।</p> <p>सर्दी के मौसम में पक्षी कम पानी पीते हैं, इसलिए शरीर में पानी बनाए रखने के लिए ताजे पानी की निरंतर आपूर्ति करना आवश्यक है जिसे पक्षी ग्रहण कर सकें।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• पानी ताजा और साफ होना चाहिए। अगर पानी पर्याप्त ठंडा हो तो उसमें गर्म पानी मिलाकर पक्षियों को देना चाहिए, ताकि पानी सामान्य तापमान बना रहे।</li> </ul>

किसान भाइयों से अनुरोध है कि वे मौसम की दैनिक अपडेट के लिए अपने मोबाइल में मेघदूत और आकाशीय बिजली के अलर्ट हेतु दामिनी एप्लिकेशन डाउनलोड करें।

किसी भी सूचना या लेख को प्रसारित या प्रकाशित करने पर साभार: मौसम केंद्र, जयपुर या मौसम ईकाई, संगरिया अवश्य लिखें।

स्रोत:— मौसम पूर्वानुमान— क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, जयपुर

तकनीकी अधिकारी

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष व

नोडल अधिकारी— ग्रामीण कृषि मौसम सेवा